Q. 1911 ई० की चीनी क्रांति के असफलता के कारणों पर प्रकाश डालें?

Ans:— 1911 ई० के चीनी क्रांति का राजनीतिक दृष्टि काफी महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। इस क्रांति के फलस्वरूप सदियों से चली आ रही मंचू शासन का अन्त हो गया तथा देश में राजशाही के स्थान पर गणतंत्रवादी सरकार कायम हुई। किन्तु कई दृष्टियों से 1911 ई० की क्रांति को असफल माना जाता है। यद्यपि चीन में मंचू राजवंश का अंत हो गया, लेकिन इसके बाद चीन में नव युग का आगमन नहीं हुआ।

अतः 1911 ई० की चीनी क्रांति के असफलता के निम्न लिखित कारण थे:—

(1) युआन शीह काई की प्रतिक्रियावादी नीति:— चीन की 1911 ई० की क्रांति असफल रही, इसका एक कारण था युआन शीह काई। डॉ सनयात सेन और अन्य क्रांतिकारियों ने युआन शीह काई के साथ समझौता कर उसे राष्ट्रपति स्वीकार कर लिया था। लेकिन, वे इस बात को भलीभांति जानते थे कि युआन शीह काई एक प्रतिक्रियावादी है और गणतंत्र के प्रति उसमें किसी तरह की सहानुभूति नहीं है। इस कारण गणतांत्रिक सरकार का राष्ट्रपति राष्ट्र की एकता का प्रतीक नहीं बन सका। अतः क्रांति का कोई विशेष परिणाम नहीं निकला।

(2) राष्ट्रीयता की भावना का अभाव:— राष्ट्रीयता की भावना का अभाव चीन की क्रांति की असफलता का दूसरा कारण था। चीन एक विशाल देश है। इस देश में अनेक प्रदेश है और मंचू-शासनकाल में इन प्रदेशों के सामंती शासक प्रायः स्वतंत्र थे। इसकी शासन-व्यवस्था अलग-अलग थी और लोग चीन को एक राष्ट्र के रूप में नहीं देखते थे। ~~उनकी शासन व्यवस्था अलग-अलग थी और लोग चीन~~ प्रांतीय सूबेदार अपने केन्द्रीय सरकार की उपेक्षा कर, अपनी स्वतंत्रता स्वतंत्र सत्ता बनाये रखने

का प्रयास करते थे। गणतंत्र की स्थापना से भी उनके इस प्रवृत्ति का अन्त नहीं हुआ और चीन राष्ट्र के रूप में संगठित नहीं हो सका। राष्ट्रीयता की भावना के अभाव में 1911 ई० की क्रांति असफल हो गई। उसका कोई विशेष परिणाम नहीं निकला।

(3) जनता में जागरण का अभाव :- किसी क्रांति के सफल होने के लिए एक जागरूक जनता अत्यन्त आवश्यक है। चीन में गणराज्य की स्थापना हुई, लेकिन चीन की अधिकांश जनता अशिक्षित थी और वह क्रांति या गणराज्य का महत्व समझने में असमर्थ थी। ऐसी हालत में चीन में क्रांतिकारी प्रवृत्तियों की पराजय आवश्यक थी। जनता में राष्ट्रवादी भावना का अभाव और लोकतंत्र शासन के प्रति उत्साह की कमी के कारण चीन के नये गणराज्य को अनेक विकट समस्याओं का सामना करना पड़ा।

(4) आर्थिक दुर्दशा :- यदि चीन की नई सरकार जनता की आर्थिक दशा में सुधार लाने की कुछ यत्न करती तो शायद यह सम्भव था कि जनता क्रांति का समर्थन कर देती और उसके महत्व को भी समझ जाती। लेकिन, गणराज्य सरकार ने इस ओर कोई कदम नहीं उठाया। लोगों की आर्थिक परेशानी पहले की तरह ही बनी रही। इस हालत में जनता मंचू शासकों और गणतंत्र शासन में किसी तरह का भेद नहीं कर सकी। उसका असंतोष बढ़ता ही गया। यदि चीन की नई सरकार इस समय जनता के आर्थिक कल्याण के लिए कुछ भी कर देती तो सम्भव था कि जनता क्रांति के महत्व को समझ लेती और गणतंत्र को उसका पूरा समर्थन प्राप्त हो जाता। लेकिन चीन के दुर्भाग्य से पिकिंग सरकार के पास आर्थिक साधनों का अभाव था और वह चाहते हुए भी कुछ नहीं कर सकती थी।

अतः इन्हीं सब कारणों से 1911 ई० की

चीनी क्रांति असफल सिद्ध हुई। इन असफलताओं के बावजूद क्रांति के महत्व को कम नहीं किया जा सकता है। इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि मंचू राजवंश का खात्मा और चीन में गणराज्य की स्थापना मानी जाएगी। चीन की राजनीति जो वर्षों से स्थिर पड़ी हुई थी, उसे एक नई गति मिली और वह चलायमान हो गई।